



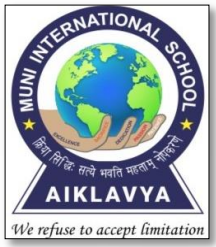
MUNI INTERNATIONAL SCHOOL

IS MODERN EDUCATION-
GAME OF WORDS ?



MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION

शब्द से प्यास बुझती नहीं, तो शब्दों
का खेल शुरू हो जाता है, जब शब्द से
शब्द लड़ते हैं तो दुश्मन बन जाते हैं,
शब्द से शब्द मिल जाये तो दोस्त बन
जाते हैं, शब्द से जीत जाये तो
मानसिक गुलाम हो जाते हैं



**WHEN EVERY DAY IS CHANGED AND NEW FOR EVERYONE
THAN HOW ONE CAN BE TAUGHT EXCEPT ROUTINE?**

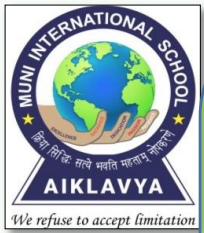
**अपने बच्चों से हम शिक्षित होने के रूप में क्या उम्मीद रखते हैं
?**

**बच्चों का अलग अलग विषय पढ़ने का क्या तात्पर्य और सन्दर्भ है
???**

**यदि हम शिक्षा में समानता नहीं ला पाए तो शिक्षा से समानता कैसे ला
पाएंगे ??**

**नवाचार यानी इन्नोवेशन यह सवाल नहीं है उत्तर है जो आपके
सामने सवाल खड़े थे उनके, जो समाधान कभी खोजे गए थे वही
समाधान परिवर्तन/ समयानुकूल और युगानुकूल ना करने के कारण
आज समस्या के रूप में क्या सामने खड़े हैं.**

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION



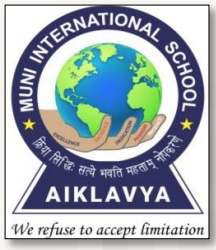
Being A VYAKTI- THEY WANT TO BE EXPRESSIVE. They want to play ACTIVE ROLE. They want to be LEADER AND PROBLEM SOLVER. Who will help these highly potential to empower themselves - IF NOT PARENT/TEACHERS THEN WHO ?

CHILDREN DON'T EXIST FOR SUBJECTS LIKE MATH, SCIENCE, SOCIAL SCIENCE, LANGUAGE ETC. SUBJECTS ARE BUILD TO MAKE CHILD'S LIFE HAPPIER AND HEALTHIER THROUGH UNDERSTANDING THE SITUATION AND THE THINGS BETTER TO LEAD THE LIFE SMOOTHLY.



HUMAN EXISTS FOR LARGER ORDER.

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION



	साक्षरता	शिक्षा
बोलना	कोई भी बच्चा 2 से 3 साल में 4 साल में बोला सीखी जाता है	क्या बोलना है कितना बोलना है कैसे बोलना कब बोलना है क्यों बोलना है
लिखना	कोई भी बच्चा 3 से 4 साल में लिखना सीख जाता है	क्या लिखना है कैसे लिखना है कब लिखना है कितना लिखना है क्यों लिखना है
पढ़ना	पढ़ना भी 3 से 4 साल में बच्चा सीख जाता है	क्या पढ़ना है कितना पढ़ना है कैसे पढ़ना है कब पढ़ना है क्यों पढ़ना है
चलना	2 से 3 साल में चलना सीख जाता है	कब चलना है कितना चलना है कैसे चलना है क्यों चलना है

**क्या सीखना है-व्यवस्था है,
क्यों सीखना है-उपयोगिता व अंडरस्टैंडिंग है,
कितना/कैसे सीखना है-साइंस और मैथ का संगम है**

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION

**गणित के साथ
- वस्तु पक्ष का
विज्ञान के साथ
चैतन्य पक्ष का
साहित्य के साथ
तात्त्विक पक्ष का
अध्ययन
अनिवार्य है**





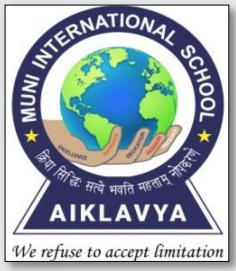
विषय जो होने ही चाहिए -

न्याय
सम्बन्ध
लाइफ
मैडिटेशन

सत्य
संगीतमयता
स्किल्स
समस्याएं/अवसर

धर्म
अभ्युदय
अस्तित्व
एकेडेमिक्स
व्यवस्था

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION



इतिहास - मुझे अपना इतिहास बता दो मैं आपका वर्तमान देखकर आपका भविष्य बता सकता हूँ।

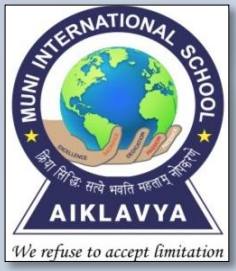
इतिहास - शुभ के अर्थ में कामना करते हुए प्रगति के कार्य की कोई परम्परा बन जाये। इतिहास में सिर्फ सत्य को समझना और और बहुत काम है। असत्य बहुत जिससे जानने में समय बहुत अधिक लग जाता है। जियोग्राफी में नापने लिए - पृथ्वी की बड़ी व्यवस्था में गंध तन्मयता है इसके लिए पृकृति ने मानव को संवेदनाये दी है, जल की तन्मयता स्वाद है, वायु की तन्मयता स्पर्श है, अग्नि की तन्मयता रूप है और आकाश की तन्मयता है शब्द। ये इसी से क्रियान्वित होते हैं। जियोग्राफी में मानव को इनका feel देने के लिए ही संवेदनाओ से जोड़ा हुआ है।
कितना अच्छा होता कि कोई मानव इनको माप लेता और इनके उतार चढाव से गड़बड़ियों का पता लगा लेता।

समाजशास्त्र में प्राकृतिक नियम बौद्धिक नियम और सामाजिक नियम

SST PERIOD - HISTORY AND HERITAGE WALK.

It's a task of learning with performance and discussion

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION



SST = व्यवहार संहिता, ज्ञान परम्परा, विज्ञान परम्परा, कार्य परम्परा, क्यों और कैसे का उत्तर

CIVICS - स्वयं की गति से समाज की गति का अध्ययन और विशेष से सामान्य बनने के लिए ही नागरिक शास्त्र है **व्यक्ति में समाधान, परिवार में समृद्धि समाज में अभय और राष्ट्र में सह अस्तित्व और ब्रह्मांड में भयमुक्त ब्रह्मांड का निर्माण**

भूगोल- उपभोग से उपयोग

Geography - स्वयं के स्थान से विश्व भर की Geography का अध्ययन, वर्तमान - (होने व रहने) का अर्थ, कारण, परिणाम (उपयोगिता, पूरकता के अर्थ में)।
स्वयं के स्थान से अंतिम छोर की Geography को स्थानांतरण किसी भी पेड़-पौधे, मानवीय शरीर, धरातल, धरातल पर उगने वाली वनस्पतियां, मिट्टी के प्रकार, खनिज, material world से 5 - 10 - 500 - 1000 Km तक का सटीक आकलन और वैश्विक (वर्तमान) घटनाओं से पड़ने वाला प्रभाव और भविष्य।

ज्ञान का मतलब क्या है यानी होना, विवेक का मतलब क्यों है यानी लक्ष्य, विज्ञान का मतलब कैसे हैं यानी प्रक्रिया.

YOU NEED SOCIAL ENGINEERS.

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION

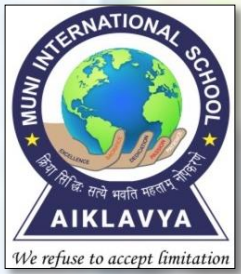
विज्ञान - प्रकृति के रहस्यों को क्रमबद्ध नियमपूर्वक पहचानने को ही विज्ञान कहा जाता है।

विज्ञान का सामाजिकता से कोई संदर्भ नहीं है। विज्ञान सामाजिकता को तेज कर सकता है पर सामाजिकता बना नहीं सकता है। विज्ञान परिणाम को बताता है। सामाजिकता कारण जानती है।

विज्ञान - घटना के परिणाम के अर्थ में बताना
सामाजिकता - घटना को कारण के अर्थ में बताना

गणित - इकाई की मात्रात्मक प्रक्रिया को जोड़ना, घटाना, गुणा व भाग

Language - अभिव्यक्ति और
समीक्षा आदि के लिए.
सह-अस्तित्व का सुख भाषा की
मर्यादा के बिना संभव नहीं है।



If you are slow than you can't survive in present because others are not and survival of the fittest is the rule of this forest of Human.

THINGS NEVER CHANGE, WORLD AND SITUATION CHANGE.

YOU CAN'T CHANGE AS PER CHANGE IN SOCIETY, TIME & PRESENT THEN EITHER YOU WILL BE DESTROYED OR IT WILL CHANGE YOU.

MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION